**M.A. Examination, 2018**
**Semester-IV**
**Hindi**
**Course : XIV**
**(पाश्चात्य काव्यशास्त्र)**

**Time : 3 Hours** **Full Marks : 40**

**Questions are of value as indicated in the margin**

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2×12=24
   (क) क्रोचे के अभिव्यंजनावाद को स्पष्ट कीजिए।
   (ख) लोंजाइनस के 'उदात्त' की अवधारणा को स्पष्ट कीदिए।
   (ग) इलियट के सिद्धान्त के स्वरुप को स्पष्ट कीजिए।
   (घ) रामचन्द्र शुक्ल के आलोचना सिद्धान्त पर पाश्चात्य प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।
2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 2×8=16
   (क) 'विरेचन सिद्धान्त' पर टिप्पणी लिखिए।
   (ख) 'शास्त्रीय आलोचना' काल का परिचय दीजिए।
   (ग) आलोचना में कैटेलिष्ट' की भूमिका को विश्लेषित कीजिए।
   (घ) स्वस्छन्दताबादी किसी कवि की समीक्षा दृष्टि पर प्रकाश डालिए।